दिनांक–26 जनवरी 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- सम्पूर्ण राष्ट्र आज हर्षोल्लास के साथ मना रहा सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह का करेंगी नेतृत्व। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ विधानसभा के सामने लेंगी परेड की सलामी।
- राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को किया संबोधित। राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करते हुए अपने गणतंत्र को और गौरवशाली बनाने के लिये देशवासियों का किया आह्वान।
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम में लोगों से साझा किये विचार। कहा– तेजी से विकसित हो रही भारत की अर्थव्यवस्था।
- पद्म पुरस्कारों की हुयी घोषणा। राज्य के एन. राजम को पद्म विभूषण और दस विभूतियों को मिलेगा पद्मश्री सम्मान।

****

सम्पूर्ण राष्ट्र आज सतहत्तरवां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगी। हमारे संवाददाता ने बताया है कि गणतंत्र दिवस परेड सुबह लगभग साढ़े दस बजे शुरू होगी।

कर्तव्य पथ पर होने वाली गणतंत्र दिवस परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य शक्ति का अनोखा संगम प्रदर्शित करेगी। इस वर्ष परेड़ की थीम– 'स्वतंत्रता का मंत्र– वंदे मातरम' और 'समृद्धि का मंत्र' आत्मनिर्भर भारत' है। परेड की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने से होगी। इसके बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगी और उन्हें औपचारिक मार्च पास्ट के दौरान सलामी दी जाएगी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस वर्ष परेड में मुख्य अतिथि होंगी। परेड में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों की कुल तीस झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। तीनों सेनाओं की संयुक्त झांकी 'ऑपरेशन सिंदूर– संयुक्तता के माध्यम से विजय' विषय पर आधारित होगी, जो थल सेना, नौ सेना, वायु सेना की एकता और सामूहिक ताकत को दिखाएगी। पहली बार सेना द्वारा बैटल एरे फॉर्मेट भी प्रदर्शित किया जाएगा। सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। प्रिया और रिशु के साथ अक्षित वैद्यान, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

सतहत्तरवें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आज राज्यपाल आनंदीबेन पटेल लखनऊ विधानसभा के सामने परेड की सलामी लेंगी। राजधानी लखनऊ में गणतंत्र दिवस परेड को लेकर यातायात परिवर्तन और जगह–जगह बैरिकेंडिग की गई है। प्रदेशभर में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की गई है। वहीं बलरामपुर, पीलीभीत, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सशस्त्र सीमा बल, पुलिस और नेपाल की आर्मड पुलिस फोर्स विशेष चौकसी बरत रही है।

****

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि पच्चीस जनवरी को हमारे देश में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' मनाया जाता है। जनप्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए हमारे वयस्क नागरिक उत्साहपूर्वक मतदान करते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर मानते थे कि मताधिकार के प्रयोग से राजनैतिक शिक्षा सुनिश्चित होती है।

प्यारे देशवासियों 25 जनवरी को हमारे देश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। जनप्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए हमारे व्यस्क नागरिक उत्साहपूर्वक मतदान करते हैं। बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर मानते थे कि मताधिकार के प्रयोग से राजनीतिक शिक्षा सुनिश्चित होती है। हमारे मतदाता बाबा साहेब की सोच के अनुरूप अपनी राजनीतिक जागरूकता का परिचय दे रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासी हमारे जीवंत गणतन्त्र को शक्तिशाली बना रहे हैं। हमारी तीनों सेनाओं के बहादुर जवान, मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव सतर्क रहते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता से ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता को शक्ति मिली।

पिछले वर्ष हमारे देश ने ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा आतंकवाद के ठिकाने पर सटीक प्रहार किया। आतंक के अनेक ठिकानों को ध्वस्त किया गया तथा बहुत से आतंकवादियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया। सुरक्षा के क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता से ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता को शक्ति मिली।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी बहनें, बेटियां परम्परागत रूढ़ियों को तोड़कर आगे बढ़ रही है। महिलाएं देश के समग्र विकास में सक्रिय योगदान दे रही है।

विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उनके बढ़ते हुए योगदान से हमारा देश महिला पुरुष समानता पर आधारित समावेशी गणतंत्र का उदाहरण प्रस्तुत करेगा। समावेशी सोच के साथ वंचित वर्गों के कल्याण और विकास के लिए अनेक योजनाओं को कार्य रूप दिया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों ने हमारे देश को खाद्यान में आत्मनिर्भर बनाया है। अन्नदाता किसान हमारे समाज और अर्थव्यवस्था के मेरूदंड हैं।

हमारे अन्नदाता किसान हमारे समाज के तथा अर्थव्यवस्था के मेरुदंड है। किसानों के परिश्रमी पीढ़ियों ने हमारे देश को खाद्य धान्य में आत्मनिर्भर बनाया है। किसानों के परिश्रम के बल पर ही हम कृषि आधारित उत्पादों का निर्यात कर पा रहे हैं।

उन्होंने अपील की कि हम सब मिलकर राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करते हुए अपने गणतंत्र को और भी गौरवशाली बनाये।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कल आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से अपने विचारों को साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है और पूरे विश्व की नजर भारत पर है। श्री मोदी ने देशवासियों, विशेषकर उद्योग जगत और युवाओं से देश में विनिर्मित हर चीज की गुणवत्ता में सुधार का संकल्प लेने का आग्रह किया।

हम जो भी मैन्युफैक्चर कर रहे हैं उसकी क्वालिटी को बेहतर बनाने का संकल्प लें। चाहे हमारे टेक्सटाइल हो, टेक्नोलॉजी हो या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स, इवेन पैकेजिंग। इंडियन प्रोडक्ट का मतलब ही बन जाए टॉप क्वालिटी। हम संकल्प लें क्वालिटी में ना कोई कमी होगी ना क्वालिटी से कोई समझौता होगा और मैंने तो लाल किले से कहा था जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट। ऐसा करके ही हम विकसित भारत की यात्रा को तेजी से आगे ले जा पाएंगे।

गणतंत्र दिवस की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 26 जनवरी का दिन हमें अपने संविधान निर्माताओं को नमन करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने आजमगढ़ में तमसा नदी के संरक्षण के प्रयासों की सराहना की।

तमसा नदी को लोगों ने नया जीवन दिया है। तमसा केवल एक नदी नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत की सजीव धारा है। यह नदी कभी इस क्षेत्र के लोगों के जनजीवन की धुरी हुआ करती थी लेकिन प्रदूषण की वजह से इसकी अविरल धारा में रुकावट आने लगी थी। इसके बाद यहां के लोगों ने इसे एक नया जीवन देने का अभियान शुरू किया और सब के प्रयास से नदी का पुनरुद्धार हो गया।

प्रधानमंत्री ने युवाओं से अट्ठारह वर्ष की उम्र पूरी होने पर मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने का आग्रह भी किया।

मथुरा जिले के वृंदावन स्थित चंद्रोदय मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में कल भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

****

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कल पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई है। उत्तर प्रदेश के एन. राजम समेत देश के पांच लोगों को पद्म विभूषण से सम्मानित किया जायेगा। वहीं तेरह लोगों को पद्म भूषण और राज्य के दस विभूतियों सहित एक सौ तेरह लोगों को पद्मश्री दी जायेगी।

प्रदेश की जिन दस विभूतियों को पद्म श्री पुरस्कार दिया जायेगा, उनमें रघुपति सिंह, चिरंजीलाल यादव, मंगला कपूर, डॉ0 श्याम सुन्दर, अनिल कुमार रस्तोगी, अशोक कुमार सिंह, बुद्ध रश्मि मणि, केवल कृष्ण ठकराल, प्रवीण कुमार और राजेन्द्र प्रसाद शामिल हैं।

राष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों के सत्तर कर्मियों के लिए वीरता पुरस्कारों की घोषणा की। इनमें छह पुरस्कार मरणोपरांत दिए जाने हैं। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को देश के सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति ने सशस्त्र बलों और अन्य कर्मियों के लिए तीन सौ एक सैन्य पदकों को भी मंजूरी दी।

****